पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – आदि एवं मध्यकालीन काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

<u>सत्रीय कार्य–1</u>

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

<u>सत्रीय कार्य–2</u>

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

<u>सत्रीय कार्य–3</u>

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

<u>सत्रीय कार्य–4</u>

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. विभिन्न तर्कों के बाद भी हिन्दी का प्रथम महाकवि किसे माना गया है ?
2. 'मैथिल कोकिल' नाम से कौन-सा कवि प्रसिद्ध है ?
3. कबीर की भक्ति का मूल आधार क्या है ?
4. जायसी ने अपनी किस कृति में अपनी जन्मतिथि का संकेत दिया है ?
5. जार्ज ग्रियर्सन ने तुलसी की कितनी रचनाओं को प्रामाणिक माना है ?
6. पुष्टिमार्ग में सूर को किस आचार्य ने दीक्षित किया ?

7. किस वैष्णव भक्त की छत्र-छाया में मीरा का लालन-पालन हुआ ?

8. बिहारी को किस 'रसराज' की संज्ञा दी गई है ?

खण्ड—ब

9. 'पृथ्वीराज रासो' में वर्णित युद्ध का वर्णन कीजिए।

10. विद्यापति की प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए।

11. कबीर की उलटबांसी का अर्थ लिखिए।

12. तुलसीदास की प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए।

13. सूरसागर का मूल आधार ग्रन्थ कौनसा है ?

14. मीरा का विवाह कब और किसके साथ हुआ ?

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. विद्यापति की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

16. जायसी पर भारतीय संस्कृति के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

17. रीतिमुक्त काव्यधारा में घनानन्द का स्थान निर्धारित कीजिए।

18. भूषण के काव्य का अभिव्यंजना पक्ष स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. कबीर के रहस्यवाद पर एक निबन्ध लिखिए।

20. जायसी की प्रेमसाधना का विवेचन कीजिए।

21. तुलसी के दार्शनिक दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए।

22. मीरा के काव्य का वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. सूरदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

24. बिहारी की बहुज्ञता की विस्तृत विवेचना कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

H–202

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – आधुनिक काव्य **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'साकेत' ग्रंथ में साकेत से क्या अभिप्राय है ?
2. 'नारी! तुम केवल श्रद्धा हो।' यह किस कवि की रचना है ?
3. 'विजन-वन-वल्लरी पर☸ सोती थी सुहाग-भरी ....' इस पंक्ति में कवि किसका वर्णन कर रहे हैं ?
4. 'यामा' किसकी रचना है ?
5. 'पल्लव' के कवि का नाम लिखिये।
6. 'हालावाद' के एक कवि का नाम लिखिये।

7. नार्गाजुन का असली नाम क्या है ?

8. 'असाध्य वीणा' किसकी रचना है ?

खण्ड—ब

9. महादेवी वर्मा को आधुनिक युग की मीरा क्यों कहा जाता है ?

10. नरेन्द्र शर्मा के काव्य का प्रमुख प्रतिपाद्य रस कौन-सा है ? उदाहरण दीजिए।

11. कवि नागार्जुन की विचारधारा पर प्रकाश डालिए।

12. अज्ञेय की काव्यदृष्टि की चर्चा कीजिए।

13. दुष्यन्त कुमार की महत्वपूर्ण रचनाओं की चर्चा कीजिए।

14. कवि बच्चन का जन्म कब और कहाँ हुआ था ? इसे बताते हुए उनकी आत्मकथा का शीर्षक बताइए।

सत्रीय कार्य–2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. 'नई कविता और रघुवीर सहाय' पर टिप्पणी कीजिए।

16. अज्ञेय की काव्यभाषा के महत्वपूर्ण बिन्दुओं को रेखांकित कीजिए।

17. पंत के प्रकृति चित्रण का वर्णन कीजिए।

18. कवि दिनकर की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. प्रसाद के काव्य में उपस्थित 'सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय भावना' पर टिप्पणी कीजिए।

20. 'असाध्यवीणा' की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

21. "नागार्जुन का काव्य प्रगतिशील चेतना का काव्य है।" इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए।

22. बच्चन की काव्य-यात्रा पर टिप्पणी कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. 'छायावाद और निराला' पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

24. 'राष्ट्रीय चेतना और मैथिलीशरण गुप्त' पर निबन्ध लिखिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – हिन्दी साहित्य का इतिहास **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. "साहित्य समाज का दर्पण होता है।" यह किसने कहा ?
2. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल के द्वारा संकलित पुस्तक "गोरखबानी" में गोरखनाथ की कितनी रचनाएँ संकलित हैं ?
3. कुतुबन द्वारा रचित रचना "मृगावती" किस भाषा में लिखी गई है ?
4. "गीत गोविन्द" किसकी रचना है ?
5. "कवित्त रत्नाकर" के रचनाकार का नाम लिखिए।
6. रीतिकालीन कवि बोधा का असली नाम क्या था ?

7. सन् 1947 ई. में आयोजित अखिल भारतीय हिन्दी प्रगतिशील लेखक संघ के अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की ?

8. समकालीन कविता का दूसरा समप्रचलित नाम क्या है ?

खण्ड—ब

9. "पृथ्वीराज रासो" ग्रंथ की कोई **पाँच** विशेषताएँ लिखिए।

10. नाथ-साहित्य के ऐतिहासिक महत्व को स्पष्ट कीजिए।

11. रामचरितमानस के काण्डों के नाम लिखिए।

12. घनानन्द की भाषा की क्या विशेषता है ?

13. रेखाचित्र से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।

14. हिन्दी आलोचना में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का स्थान निर्धारित कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. जैन साहित्य की विशेषताएँ और उपलब्धियों का उल्लेख कीजिए।

16. कृष्ण भक्ति काव्य परम्परा पर प्रकाश डालिए।

17. रीतिकालीन काव्य की राजनैतिक परिस्थिति की विवेचना कीजिए।

18. राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा से आप क्या समझते हैं ?

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. रासो काव्य की विशेषताओं का आकलन कीजिए।

20. सन्त काव्य की विभिन्न प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

21. 'रीति' शब्द का आशय स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप की विवेचना कीजिए।

22. आधुनिक हिन्दी काव्य की पृष्ठभूमि का मूल्यांकन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. राम भक्ति काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

24. हिन्दी नाटक के उद्‌भव एवं विकास की विवेचना कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

H–204

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – काव्यशास्त्र एवं समालोचना **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' किसने कहा है ?
2. 'काव्यालंकार सूत्रवृत्ति' ग्रंथ किसने लिखा है ?
3. 'उत्पत्तिवाद' के प्रवर्तक कौन हैं ?
4. 'ध्वनि' सिद्धान्त के पुरस्कर्ता आचार्य कौन हैं ?
5. यूनानी शब्द 'मिमेसिस' का हिन्दी रूपांतरण क्या है ?
6. 'अस्तित्ववाद' का जनक किसे माना जाता है ?

7. शैली के कितने भेद होते हैं ?

8. 'आलोचना' शब्द किस धातु से बना है ?

खण्ड—ब

9. 'मम्मट द्वारा निर्दिष्ट' काव्य-लक्षण बताइए।

10. किसी **एक** काव्यहेतु को समझाइए।

11. वैदर्भी रीति पर प्रकाश डालिए।

12. 'शब्दालंकार' को स्पष्ट कीजिए।

13. 'अरस्तू' पर टिप्पणी कीजिए।

14. प्रगतिशील आलोचना पर टिप्पणी कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. काव्यप्रयोजन का आशय स्पष्ट करते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

16. 'रस' सिद्धान्त विधायक सूत्र का निष्पादन करते हुए रस के अवयवों पर प्रकाश डालिए।

17. मार्क्स के साहित्य चिंतन को संक्षेप में समझाइए।

18. 'नई समीक्षा' पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. प्रबंध काव्य एवं मुक्तक काव्य की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए विभिन्न काव्यहेतुओं पर प्रकाश डालिए।

20. साधारणीकरण को समझाइए।

21. उत्तर-आधुनिकतावाद को स्पष्ट कीजिए।

22. मनोविश्लेषणवादी हिन्दी समीक्षा का परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. 'अलंकार' शब्द की व्युत्पत्ति एवं स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

24. अरस्तू के त्रासदी सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
2. छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।
3. सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।
4. सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।